



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-06-2025

खेरी(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-28	2025-06-29	2025-06-30	2025-07-01	2025-07-02
वर्षा (मिमी)	0.0	17.0	62.0	18.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	36.0	30.0	30.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	26.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	83	92	97	98	93
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	53	57	76	77	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	7	1	1	2
पवन दिशा (डिग्री)	101	87	225	72	53
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	7	8	8	7
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में मध्यम से घने बादल छाये रहने के कारण दिनांक 28 जून से 02 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी वर्षा, तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30.0- 37.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C कम रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-29.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 72-87 एवं 42-66% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम है तथा हवा की गति 1.0-11.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 5-6 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 28 जून से 02 जुलाई 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर मध्यम से भारी वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आगामी सप्ताह में मध्यम से भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। जायद की परिपक्व फसलों की कटाई-मड़ाई कर अनाज को सुरक्षित रखें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।

सामान्य सलाहकार:

विगत सप्ताह हुई वर्षा से खेत में कटी हुई फसल यदि भीग गई है तो फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा करें। धान के पौध की रोपाई के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। धान की तैयार पौध की रोपाई के लिए खेत की तैयारी कर पौध की रोपाई करें तथा खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य उचित नमी पर आसमान साफ होने पर ही करें।

लघु संदेश सलाहकार:

वर्षा की सम्भावना को देखते हुए धान की तैयार पौध की रोपाई करें तथा खरीफ मक्का, तिल, अरहर आदि फसलों की बुवाई का कार्य स्थगित रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी से अत्याधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। धान के पौध की रोपाई के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। शीघ्र पकने वाली धान के प्रजातियों की नर्सरी डालें। यदि सामान्य खेतों में धान के पौध की रोपाई 20 से 25 दिन में तथा ऊसर भूमि में 25 से 30 दिन के पौध की रोपाई करें। धान की फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती के खरपतवार के नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन के अन्दर अनिलोफॉस 30 % ई.सी. या प्रिटलाक्लोर 1.25 लीटर/हे० की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर 2-3 इंच में पानी छिड़काव करें। नर्सरी में जिक की कमी के कारण होने वाले खैरा रोग जिसमें पत्तियां पीली पड़ जाती है एवं बाद में कलई रंग के धब्बे पड़ जाते हैं, लक्षण दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु 5 कि.ग्रा. जिक सल्फेट को 2 प्रतिशत यूरिया के घोल के साथ अथवा 2.5 कि.ग्रा. बुझे चूने को प्रति हे. लगभग 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए बुवाई का कार्य स्थगित रखें। खरीफ मक्का की बुवाई के लिए खेतों की तैयारी करने के पश्चात उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव, श्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- ,एच एम एच -3904, पी एम एच -3, एन के -61, प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
तिल	वर्षा की संभावना को देखते हुए बुवाई का कार्य स्थगित रखें। तिल की उन्नतशील किस्मों यथा गुजरात तिल-6, आर.टी.-346, आर.टी.-351, तरूण, प्रगति, शेखर टाइप-78, टाइप-13, टाइप-4 व टाइप-12, एम.टी.-2013-3 व यू.ए.टी. तिल-1 की बुवाई करें।
मूँगफली	वर्षा न होने की दशा में करें। मूँगफली की संस्तुति संकर किस्म- टा -64, कौशल-गुच्छेदार किस्म- चंद्रा, ता -28 आदि की बुवाई करें और मूँगफली की बुवाई के लिए 70-80 किग्रा / हेक्टेयर
गन्ना	वर्षा की संभावना को देखते हुए सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। खड़ी गन्ने की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु निराई-गुड़ाई का कार्य करें। ये सभी कृषि संबंधी कार्य मानसून की वर्षा प्रारम्भ होने से पूर्व पूर्ण कर लें। चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु ग्रसित नवजात पौधे को जमीन की सतह से काटकर नष्ट कर दें अत्यधिक प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु क्लोरेन्ट्रोनिलीप्रोल 18.5 एस.सी. के 150-200 मि.ली. कीटनाशक दवा को 400 -500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव कर सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जी बैंगन, मिर्च , अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय हैं। सब्जियों की फसलों में तना /फल/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। कद्दूवर्गीय फसलों में हरा फुदका एवं सफेद मक्खी कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत 1.0 मिली. रसायन की मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें तथा फल मक्खी से बचाने हेतु क्यू ल्योर फेरोमोन ट्रेप 8-10 ट्रेप प्रति हे० की दर से लगायें।
आम	फलदार बागों की रोपाई हेतु मई माह में खोदे गये गड्ढों की भराई करने के लिए ऊपर की आधी मिट्टी में सड़ी हुई खाद की गोबर को मिलाकर जमीन की सतह से 15 से 20 सेन्टीमीटर ऊपर तक भराई कर लें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	अमरूद फलों में फलमक्खी से बचाव हेतु मिथाइल यूजिनल एवं क्यू ल्योर टैप 8-10 टैप प्रति हे० में 6 से 8 फिट की ऊंचाई पर टहनियों में बांध कर लटकाए तथा नीम एक्सट्रैक्ट 5 प्रतिशत प्रति लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें तथा 20-25 दिन के अन्तराल पर ल्योर को बदलते रहें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुबाड़े में बाह्य परजीवी की रोकथाम हेतु चूने का छिड़काव करें। पशुओं को वर्षा के दौरान खुले स्थान/पेड़ के नीचे न बांधें। पशुओं को रात के समय आसमान साफ होने पर ही खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3 -4 बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 28 जून से 02 जुलाई 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर मध्यम से भारी वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। जायद की परिपक्व फसलों की कटाई-मड़ाई कर अनाज को सुरक्षित रखें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।
